TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Students in the Navodaya Vidyalayas

2276. SHRI BASUDEB MOHAPAT RA: Will the Minister of HUMAN RE SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state the total number of students in tht Navodaya Vidyalayas at present?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE THE MINIS TRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI L.P. SHAHI): Ihe number of students selected for admission in Navodaya Vidyalayas upto the academic session 1988-89 is 34,227.

Construction of Daitari Banspani Rail Lfoe

2277. SHRl BAIKUNTHA NATH SAHU: Wil) the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to answer to Unstar red Question 3196 given in the Rajya Sabha on the 7th December, 1988 and state:

(a) whether Government have examined the proposal of M|s. Hyundai corporation who have proposed to finance the construction of Daitari-Banspani section of the Jakhapura-Banspani rail line; and

(b) if so, the decision taken thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA); (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

51-अप सियालदह एक्सप्रेस में एक शव का पाया जाना

2278. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 7 जनवरी 1989 को 51-अप सियालदह एक्सप्रेस में श्री हरेन्द्र नाथ त्रिपाठी का मृत शरीर पाया गया ;

(ख) क्या इस संबंध में सी०बी० आई० द्वारा जांच कराने के लिये रेल मंत्री से कोई शिकायत की गयी है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : श्री हरेन्द्र नाथ त्रिपाठी का शव 7 जनवरी 1989 को मुगलसराय मंडल के रफीगंज तथा जोखिम रेलवे स्टेशनों के बीच रेल पथ पर पड़ा मिला था ।

(ख) और (ग) : जी हां । इस मामले को केन्द्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने के बारे में विचार करने हेतु बिहार सरकार को पहले ही लिखा जा चुका है ।

Boeing Mishaps

2279. SHRl HARVENDRA SINGH HANSPAL; Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether, according to the Boeing delegation which was in our country during February, 1989, it has been stated that the recent air accidents involving the Boeings were due to sabotage or pilots' error and not because of manufacturing defects in the aircraft;

(b) if so, whether Government have since ascertained the exact cause, of Boeing mishaps during the past few months;

(c) wihether any responsibility has been fixed in each mishap; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CTVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) to (d) Government is not aware of

any such statement by Boeing delegation during its visit during February, 1989. The investigation into 3 accidents to Boeing aircraft during the past few months have been completed, the reports are under examination.

Allowing Navigation from Vijayawada to Madras

2280. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to allow navigation in Buckingham Canal from Vijayawada to Madras; if so, what are the details thereof; and

(b) by when the navigation is likely to start and whether there is any Central aid in the offing for this purpose?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (ad and (b) The Buckingham Canal, which is a Coastal idal canal, flows from Peddaganjam lock in Andhra Pradesh (about 110 kms. south of Vijayawada) to Marakkanam Backwaters in Tamilnadu through Madras. The State Governments of Andhra Pradesh and Tamilnadu are primarily responsible for the development of this waterway. The Government of Tamilnadu is implementing a scheme to improve the Buckingham Canal stretch between Ennore lock (near Madras) to Chintamani lock to a bed width of 10 metres and depth of 1.8 metres below low water level under Centrally Sponsored sector. The Government of Andhra Pradesh has now requested to include the proposal of improvement of the Buckingham Canal stretch between Tamilnadu border to pedda-ganjum lock at a cost of Rs. 19.90 crores as a Centrally Sponsered Scheme for the Sth Five-Year Plan.

Navigation by country boats already exists in this canal.

अन्तरिक्ष युद्ध को रोकने के लिए भारत के प्रयास

2281. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) शांति स्थापित करने में हमारा देश सदैव अग्रणी रहा है, यह देखते हुये कि विश्व में दो महाशक्तियों के बीच "अन्तरिक्ष" युद्ध" न हो, इसके लिए भारत सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं ;

(ख) इस अन्तरिक्ष युद्ध से उत्पन्न होने वाले क्या-क्या संभावित खतरे हैं तथा उनका सम्पूर्ण मानव जाति पर क्या प्रभाव पड़ेगा; क्या वर्तमान में इस युद्ध के प्रभाव से बचने का कोई उपाय है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या अन्तरिक्ष युद्ध न होने देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की कोई विशेष भूमिका है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा क्या भारत सरकार उस भूमिका से सन्तुष्ट है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह): (क) भारत सरकार ने बहुपक्षीय मंचों में और अपने द्विपक्षीय सम्पर्कों में भी बाह्य अन्तरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने की आवश्यकता की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए हर मौके का फायदा उठाया है ।

(ख) सरकार यह मानती है कि नाभिकीय अस्त्रों के विरुद्ध अभेद्य रक्षा-व्यवस्था कायम करने के विचार से हथियारों की होड़ और अधिक बढ़ेगी तथा इससे निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया उलझ जाएगी। पिछले वर्ष मई-जून में संयुक्त राष्ट्र महासभा का निरस्त्रीकरण सम्बन्धी जो तीसरा विशेष अधिवेशन हुआ था उसमें भारत की ओर से पेश की गई निरस्त्रीकरण कार्य-योजना में स्पष्टतया यह कहा गया है कि बहुपक्षीय रूप-रेखा के अन्तर्गत सभी अन्तरिक्ष शस्त्रास्त्रों पर प्रतिबंध लगाने, उनके परिवहन, विकास या उनकी स्थापना अथवा भंडारण के